मेजर जनरल
भुवन चन्द्र खण्डूड़ी, एवीएसएम
(से. नि.)

मुख्य मंत्री,
उत्तराखण्ड

सचिवालय एनेक्सी,
देहरादून - 248001

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान की वार्षिक पत्रिका "प्रवाहिनी" प्रकाशित कर रहे हैं। जल प्रबंधन नितान्त तकनीकी विषय है। जल ही जीवन है और जल का कोई विकल्प भी नहीं है।

आज सम्पूर्ण विश्व में जलाभाव से गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। आशा है पत्रिका इस संकट की ओर समाज के सभी वर्गों का ध्यान आकृष्ट कर इसके माध्यम से जल के संरक्षण, संवर्धन एवं समुचित दोहन के प्रति जन चेतना जागृत करने में सहायक सिद्ध होगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

(मेजर जन0 भुवन चन्द्र खण्डूड़ी)

मातबर सिंह कण्डारी
मंत्री
सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, पेयजल,
महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास

उत्तराखण्ड सरकार

विधान भवन
कक्ष सं. : 6
देहरादून
दूरभाष : (0135) 2666377
फैक्स : (0135) 2666380
आवास : (0135) 2656286

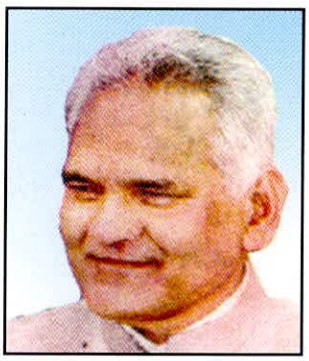

"शुभकामना–संदेश"

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की सितम्बर माह में हिन्दी सप्ताह के अवसर पर अपनी वार्षिक हिन्दी पत्रिका का "प्रवाहिनी" का 15वां अंक प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से जल विज्ञान, जल संसाधन, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, कला तथा साहित्य विषयों की जानकारी जन–जन तक पंहुचाना एक अत्यधिक सराहनीय प्रयास है।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनायें प्रेषित कर रहा हूं।

भवदीय,

(मातबर सिंह कण्डारी)

मदन कौशिक
मंत्री
विद्यालयी शिक्षा, गन्ना विकास,
चीनी उद्योग एवं आबकारी

उत्तराखण्ड सरकार

विधान सभा भवन
देहरादून
फोन : (0135) 2666304 (का.)
फैक्स : (0135) 2666308

संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा गत वर्षों की भॉति इस वर्ष भी अपनी वार्षिक पत्रिका **प्रवाहिनी** के 15वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्र पत्रिकाओं का प्रारम्भ से ही अपना एक विशेष सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और नैतिक महत्व रहा है। बताया गया है कि पत्रिका के माध्यम से दीर्घ समय से जल विज्ञान, जल तथा जल संसाधन, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, कला तथा साहित्य से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के बौद्धपरक, ज्ञानवर्द्धक एवं रूचिपरक लेखों का प्रकाशन किया जाता रहा है जो कि सराहनीय है। पत्रिका अपने उद्देश्यों की पूर्ति में उत्तरोत्तर सफलता प्राप्त करे, यही कामना है।

मैं पत्रिका **प्रवाहिनी** के सफलतम प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ।

Madan

(मदन कौशिक)